बावाबू (अंग्रेज़ी में “Doorkeeper” या “Porter”) बाइबल में यह कौन है?

द्वारपाल वह व्यक्ति होता है जो प्रवेश द्वार पर तैनात रहता है। उसका काम दरवाजा खोलना और बंद करना, और यह तय करना होता है कि कौन या क्या प्रवेश कर सकता है। ऐसे लोग आमतौर पर बड़े शहरों, राजसी महलों और मंदिरों के द्वार पर नियुक्त किए जाते थे।

2 शमूएल 18:26:

“तब चौकीदार ने एक और आदमी को दौड़ते हुए देखा और द्वारपाल
को पुकारा, ‘देखो, एक और आदमी अकेला दौड़ रहा है!’”

राजा ने कहा, “वह भी अच्छी खबर लेकर आ रहा होगा।”

साथ ही देखें 2 राजा 7:10–11।

1 इतिहास 9:23,27:

23 “वे और उनके वंशज यहोवा के घर, जिसे मिलने का तंबू कहा

जाता है, के द्वारों की रखवाली के लिए जिम्मेदार थे।”

27 “वे परमेश्वर के घर के चारों ओर रात भर तैनात रहते थे क्योंकि उन्हें उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी; और
उनके पास हर सुबह इसे खोलने की चाबी थी।”

यह अक्सर राजकीय सेवा या मंदिर सेवा में सबसे निम्न पदों में से एक माना जाता था – जैसे आज, जहाँ इस प्रकार का कार्य मामूली या महत्वहीन लग सकता है।

लेकिन दाऊद ने कहा:

भजन संहिता 84:10:

“तेरे प्रांगण में एक दिन हजारों अन्य स्थानों के मुकाबले अच्छा है;

मैं अपने परमेश्वर के घर में द्वारपाल होना पसंद करूँगा,

बुराइयों के तंबुओं में निवास करने के बजाय।”

दाऊद ने इस विनम्र भूमिका – एक बड़े महल में कम सम्मान वाली स्थिति – का उपयोग यह व्यक्त करने के लिए किया कि यदि भगवान के घर में ऐसी कोई भूमिका होती, तो वह खुशी-खुशी उसे निभाता। उनके लिए, भगवान के लिए किया गया सबसे छोटा कार्य भी दुनिया के सर्वोच्च पद या विशेषाधिकार से बेहतर था।

उन्होंने यह समझा कि भगवान की सेवा करने का मूल्य किसी भी भूमिका की सीमा पर निर्भर नहीं करता। दाऊद ने यह देखा कि सिर्फ एक दिन की सेवा नहीं करना हजारों दिनों (लगभग तीन साल) को दुनिया की चिंताओं में बर्बाद करने के समान है। सोचिए, तीन साल दुनिया की चीज़ों के पीछे दौड़ने में बिताना उस एक दिन की तुलना में कम अर्थपूर्ण हो सकता है जब आप विश्वासपूर्वक चर्च की सफाई करते हैं।

तो, अपने आप से पूछिए:

•आप परमेश्वर के घर में कौन सी भूमिका निभा रहे हैं?

•आप उसके कार्य के विस्तार में क्या योगदान दे रहे हैं?

•आप अपनी ऊर्जा और संसाधनों को कहाँ लगा रहे हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

•या आपने मान लिया है कि परमेश्वर का कार्य असल में मूल्यहीन है?

दाऊद ने घोषणा की:

“मैं अपने परमेश्वर के घर में द्वारपाल होना पसंद करूँगा…”

शालोम।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp